उत्तराखंड की नीति घाटी में बढ़ रहा ग्लेशियर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में एक उल्लेखनीय खोज में वैज्ञानिकों ने **उत्तराखंड की** नीति घाटी में तेज़ी से विस्तृत हो रहे ग्लेशियर की पहचान की है।

- **"बहु-कालिक उपग्रह डेटा का उपयोग करते हुए मध्य हिमालय में ग्लेशियर वृद्धि की अभिव्यक्तियाँ"** शीर्षक वाले अध्ययन में ग्लेशियर के तीव्र विकास को देखने के लिये **उपग्रह चित्रों का** उपयोग किया गया।

मुख्य बिंदु

- यह नया ग्लेशियर, जो लगभग **10 किलोमीटर** लंबा और लगभग **48 वर्ग किलोमीटर में विस्तारित है,** भारत-तिब्बत सीमा के समीप, राज्य के सुदूर उत्तरी क्षेत्र में **रैंडोल्फ** और **रेकाना ग्लेशियरों** के निकट स्थित है।
- ग्लेशियर में वर्तमान में "उछाल" का अनुभव हो रहा है, अर्थात **ग्लेशियर के आकार में अचानक और तीव्र वृद्धि, जो जल विज्ञान संबंधी असंतुलन के कारण हो सकती है।**
  - ये असंतुलन तब होता है जब पानी बर्फ की परतों में घुस जाता है, जिससे वे कमज़ोर हो जाती हैं और बर्फ नीचे की ओर खिसकने लगती है।
- इस तेजी से बढ़ते ग्लेशियर की खोज से **क्षेत्र के पर्यावरण और जलवायु पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा** ।
  - हिमनदीय उछाल से हिमनदीय झील विस्फोट बाढ़ (GLOF) **का संकट बढ़ सकता है,** जो निचले इलाकों के समुदायों और बुनियादी ढाँचे के लिये खतरा उत्पन्न करता है।
    - प्रभावी शमन रणनीति विकसित करने के लिये ऐसे ग्लेशियरों की गतिशीलता को समझना महत्त्वपूर्ण है।
  - जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, इस क्षेत्र में ग्लेशियरों की गति अप्रत्याशित होती जा रही है, जिसके लिये निरंतर निगरानी और अध्ययन की आवश्यकता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/growing-glacier-in-uttarakhands-niti-valley